आज का सुविचार

आत्म-संतुष्टि ही जीवन की सच्ची समृद्धि है; इसे पाने का प्रयास हमे करना चाहिए।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 70 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 6 जून 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

BNS 198, सरकारी अधिकारी द्वारा विधि के आदेश को जानबूझकर नहीं मानना कब अपराध होगा जानिए -

कानून के अनुसार कार्य करना सभी नागरिकों का कर्तव्य होता है एवं लोक सेवक का कर्तव्य होता है कानून के दायरे ने रहकर उनके आदेशों, निर्देशों को विधि पूर्ण मानना।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

अगर कोई लोक सेवक किसी आदेश को जानबूझकर नहीं मानता है और इसके कारण किसी व्यक्ति को क्षति होती है तब उस लोक सेवक के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी जानिए-

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 198 की परिभाषा

कोई लोक सेवक किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से विधि के किसी आदेश निर्देश की जानबूझकर अवज्ञा करेगा या अनुपालन करेगा जो आदेश उसे दिए गए हैं वह लोक सेवक BNS की धारा 198 के अंतर्गत दोषी होगा।

उदहारण अनुसार- न्यायालय द्वारा किसी अधिकारी को आदेश दिया गया है कि वह जाकर डिक्री प्राप्त व्यक्ति की संपत्ति को दिलवाए, लेकिन अधिकारी इस आदेश को जानबूझकर नहीं मानता है जिससे डिक्री प्राप्त व्यक्ति को नुकसान होने की संभावना है तब ऐसा अधिकारी BNS की धारा 198 के अंतर्गत दोषी होगा।

नोट- किसी विभागीय नियम, विनियमों का उल्लंघन करना इस धारा के अंतर्गत अपराध नहीं होगा सिर्फ आदेश, निर्देश का उल्लंघन अपराध होगा जिससे किसी व्यक्ति को क्षति पहुंचती है।

Bharatiya Nyaya Sanhita Section 198 Provision of punishment

यह अपराध असंज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध के खिलाफ डारेक्ट एफआईआर दर्ज नहीं होगी पीड़ित व्यक्ति को प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष परिवाद (शिकायत) भी दर्ज करवाना होगा। इन अपराध की सुनवाई प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है।

सजा - इस अपराध के लिए अधिकतम एक वर्ष की सदा कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश बनेगा ग्लोबल वेलनेस सेंटर : मुख्यमंत्री मोहन डॉ. यादव

समिट में आये 1,929 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट में कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हील इंडिया और 'लाइफ स्टाइल' (LiFE) जैसे दूरदर्शी विचारों से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को समग्र जीवनशैली और वेलनेस नवाचार का ग्लोबल सेंटर बनाया जा रहा है। समिट के माध्यम से प्रदेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने को पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट को एक परिवर्तनकारी पहलबताया और कहा कि यहां नीति, निवेश, अध्यात्म और समाज कल्याण का संगम हुआ है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब भारत के वेलनेस मिशन का ग्लोबल इंजन बनने को तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट में वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के निवेशकों से14 वन-टू-वन बैठकेंकीं, जिनमें बुनियादी ज़रूरतों, निवेश समर्थक नीतियों और प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। समिट में 1929 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा एक ही दिन होने का सुखद संयोग हुआ है। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का प्रदेश में पुनः शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 5 करोड़ पौधे रोपे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी सरकार रोजगार सृजन के लिए तेजी से काम कर रही है। धार्मिक स्थानों पर सभी चिकित्सा पद्धतियों के बड़े केन्द्र बनाने के पीछे आशय यही है कि दुनिया भर के लोगों को स्वास्थ्य के साथ अध्यात्म भी प्राप्त हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले साल सभी संभागीय मुख्यालयों पर हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और फरवरी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हुए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 30 लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, यहां 21 लाख 75 हजार रोजगार सृजन होने की संभावना भी है। उन्होंने कहा कि हमने 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया है और लगातार सेक्टर वार समिट का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मंदसौर और नरसिंहपुर में एग्री समिट के अलावा इंदौर में आईटी समिट के अच्छे परिणाम आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नीति आयोग ने प्रदेश को तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों में अग्रणी माना है। मध्यप्रदेश में सरप्लस बिजली के साथ उत्कृष्ट अधोसंरचना और नई नीतियों के चलते निवेशकों ने यहां का रूख किया है। उन्होंने एमएसएमई सहित अन्य उद्योग को घोषित नीति अनुसार 5000 करोड़ रूपये का अनुदान दिये जाने का उल्लेख भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश स्पष्ट नीति, सक्षम प्रशासन और मजबूत नेतृत्व के साथ निवेशकों को स्थायित्व और सफलता की गारंटी देता है।

What is the police case diary? पुलिस की केस-डायरी क्या है, क्या RTI के तहत सत्य प्रतिलिपि मांगी जा सकती है जानिए -

मजिस्ट्रेट को पुलिस अधिकारी से जो मामले किसी अपराध का इन्वेस्टिगेशन कर रहा है उससे दिन प्रतिदिन की जानकारी मिल सके एवं यह पता चले कि उसके अन्वेषण की दिशा क्या है तब वह अन्वेषण करने वाले अधिकारी भारतीय न्याय संहिता, (BNSS) 2023 की धारा 192 के अनुसार एक केस-डायरी रखेगा। इस डायरी का उद्देश्य यह भी है कि न्यायालय पुलिस अधिकारी के अन्वेषण की रीति की जांच कर सके अर्थात पुलिस अधिकारी किसी अपराध के अन्वेषण में प्रतिदिन क्या कर रहा है संबंधित न्यायालय को पता होना चाहिए।

Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita , 2023 Definition of Section 192

अन्वेषण में कार्यवाहियों की डायरी

Diary of proceeding in investigation report,, किसी अपराध का इन्वेस्टिगेशन करने वाला पुलिस अधिकारी एक केस डायरी अपने पास रखेगा, जिसने वह दिन प्रतिदिन की जानकारी ऐसे रखेगा- अपराध की सूचना कब प्राप्त हुई, उसने इन्वेस्टिगेशन कब प्रारंभ किया, कौन कौन से अपराध से संबंधित साक्ष्य प्राप्त हुए,कब इन्वेस्टिगेशन को समाप्त किया गया। कोई दण्ड न्यायालय जो अपराध का विचारण कर रहा है पुलिस अधिकारी से ऐसी डायरी देखने के लिए अपने पास बुलाया सकता है। लेकिन पुलिस अधिकारी की केस-डायरी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत नहीं होगी। जब तक investigation पूरा नहीं होता है, कोई आरोपी, वकील, पीड़ित व्यक्ति या शिकायतकर्ता पुलिस से केस डायरी नहीं मांग सकता है न ही उन्हें देखने का अधिकार होगा। सिर्फ मजिस्ट्रेट और न्यायालय को ही पुलिस इन्वेस्टिगेशन केस डायरी देखने ओर मांगने का अधिकार होगा।

- लेखक बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

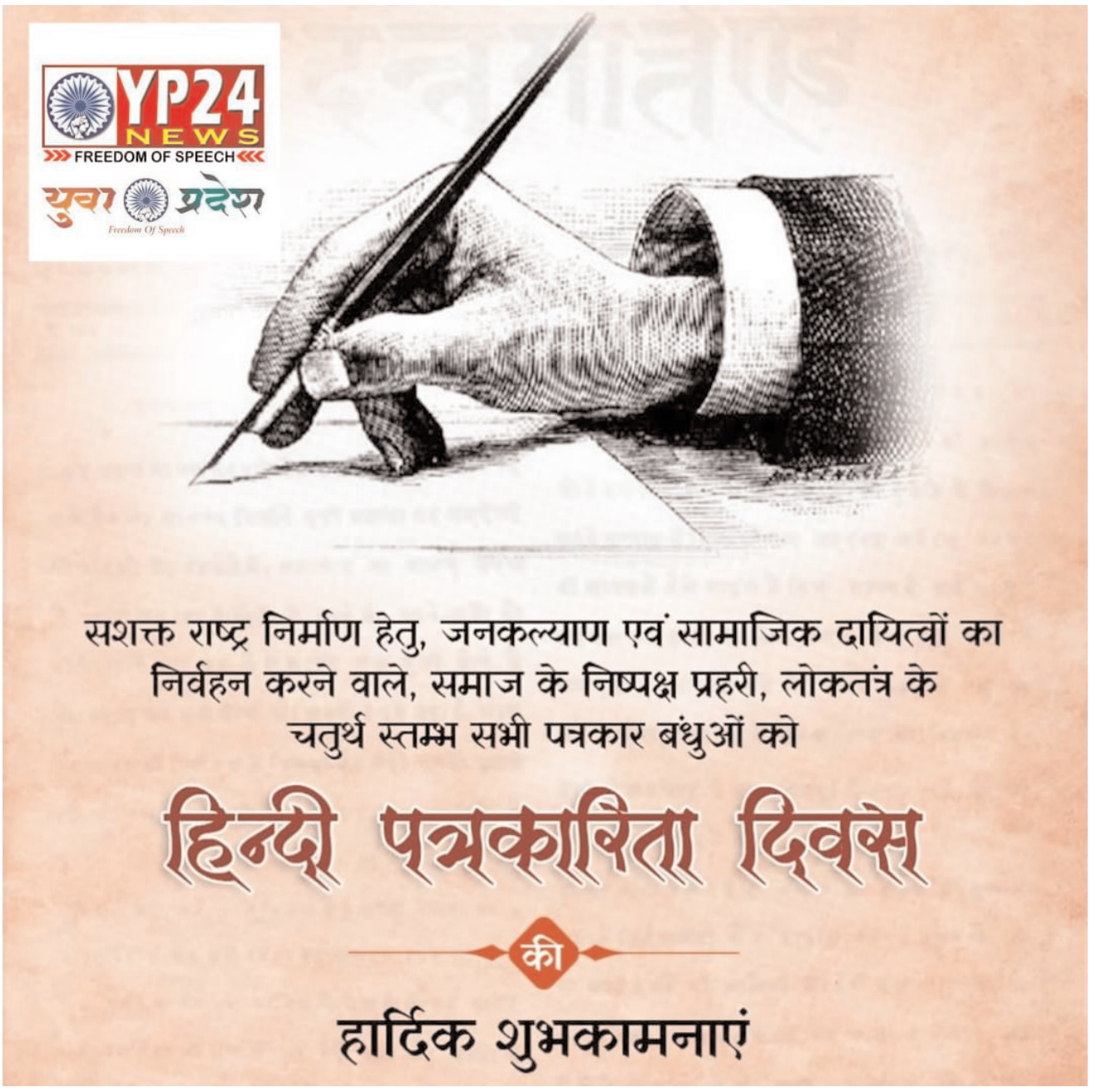

सूचना

मध्य प्रदेश अजाक्स साधारण सभा की बैठक
दिनांक-08.06.2025
समय-10.30 am
स्थान- हिंदी भवन,

बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है, की मध्य प्रदेश अजाक्स संघ की साधारण सभा दिनांक 08.06.2025 को समय 10.30 हिंदी भवन(पॉलिटेक्निक चौराहा,रवीन्द्र भवन के पास)भोपाल में आयोजित की गई है। साधारण सभा में संघ की महत्वपूर्ण मांगें जो शासन स्तर पर लंबित हैं, जिनके लिए आगामी आंदोलन की रूप रेखा एवं अन्य कार्यक्रम के संबंध में निर्णय लिये जाएंगे।

सभा का एजेंडा निम्नानुसार है-

1. अप्रैल 2024 से अप्रैल 2025 तक वर्षभर बनाये गये सदस्य की सूची एवं प्रांतीय कार्यालय में जमा सदस्य रसीद तथा कार्यकारिणी की सूची प्रस्तुत करना।
2. अप्रैल 2024 से अप्रैल 2025 तक किये गए आंदोलनों/उपलब्धियों पर चर्चा।
3. पदोन्नति,बैकलॉग,एवं आउट सोर्सिंग आदि के लिये किये जाने वाले आंदोलन की रूपरेखा।
4. प्रांतीय कार्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन एवं कार्यवाही।
5. अनुसूचित जाति / जनजाति के समाज के छात्र एवं समाज के संदर्भ में किये गये कार्यों की चर्चा एवं विभिन्न गारंटी योजनाओं के तहत प्रदेश के लिये युवा भूमिका निभाई इसके लिये चर्चा।
6. अन्य एजेंडा प्रांतीय अध्यक्ष महोदय के अनुमोदन से।

कृपया साधारण सभा में निर्धारित सुबह 10.30 बजे समस्त संभाग, जिला, तहसील ब्लॉक की कार्यकारिणी की सूची के साथ उपस्थित हों।

अहिरवार समाज संघ म प्र की प्रांतीय बैठक एवं सम्मान समारोह 1/6/2025 को रविदास जिंसी मंदिर भोपाल में हुआ।

भोपाल। अहिरवार समाज संघ म प्र की प्रांतीय बैठक एवं सम्मान समारोह 1/6/2025 को रविदास जिंसी मंदिर जहांगीराबाद भोपाल में हुआ। कार्यक्रमको अंजाम देने में बिनोद बड़ोदिया जी जो प्रांतीय मुख्य सचिव है का योगदान सराहनीय है। इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष टीकमगढ़, के बलीराम अहिरवार, निवाड़ी से अरबिंद आर्य, गुना से कन्हैयालाल अहिरवार, गंगाराम महोविया प्रदेश सचिव, ग्वालियर संभाग अध्यक्ष, संभागीय उपाध्यक्ष भंवरलाल जी,व समस्त टीम,सीहोरजिला अध्यक्ष करन सिंह तुलसी राम जी भोपाल संभाग अध्यक्ष बुदनी ब्लांक अध्यक्ष सूरत सिंह, सागर संभाग अध्यक्ष रविंद्र भास्कर, युवा प्रकोष्ठ कार्यवाहक अध्यक्ष भास्कर भोपाल जिला उपाध्यक्ष बालकिशन अहिरवार रायसेन जिला अध्यक्ष हेमंत चौधरी भोपाल संभाग संयुक्त सचिव एस एस बम्होरया मंडीदीप अध्यक्ष राजेश टैंटवार रविशंकर सूर्यवंशी प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदेश संगठक गोपीलाल अहिरवार, प्रदेश संयुक्त सचिव अमान सिंह चौधरी, प्रांतीय

कानूनी सलाहकार अभयराम चौधरी, प्रदेशाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ संगीता गोलिया हीरालाल गोलिया और सदस्यों छात्राओं छात्रों महिलाऔ आदि की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष राजेश अहिरवार की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि आचार्य बी एस मांढरे के आतिथ्य और संस्थापक चौधरी अमान सिंह नरवरिया से नि टी आई पुलिस के निर्देशन में बैठक हुई जिसमें लोगों ने पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष गणों ने अपने अपने सुझाव रखें । मुख्य बिंदु संघ का विस्तार करना, जो जिलों में जिला अध्यक्ष नहीं है उनकी नियुक्ति करने सदस्यता अभियान शुरू करने और हर जिले में आयोजन करवाने को आगाह किया जिसमें सागर संभाग अध्यक्ष रविंद्र भास्कर ने निवाड़ी में प्रदेश स्तरीय समारोह इसी माह में कराने का कहां और इसी तरह का टीकमगढ़ जिले में आयोजन करवाने को जिला अध्यक्ष बलीराम अहिरवार जी ने कहा है। इन मुद्दों पर निर्णय लिए गये। मुख्य अतिथि आचार्य बी एस मांडरे जी ने उद्बोधन में शिक्षा ग्रहण कराने संघ मे धन जुटाने के निर्देश दिए। सहायक सचिव सुरेश अहिरवार ने शील्ड बनवाने का योगदान किया। इस के बाद हमारे प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष आचार्य बी एस मांडरे जी को पगड़ी बांध कर साल उढ़ा कर सील्ड दी संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष संगीता गोलिया आदि ने पदाधिकारियों की ओर से मालाएं पहनाकर किया। बारी बारी से सभी ने फूल मालाओं से स्वागत सम्मान किया। प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। और साथ में अमान चौधरी से नि प्राचार्य को भी पगड़ी बांध कर फ़ूल याला से प्रतिक चिन्ह भेंट किया चाय स्वल्पाहार उपरांत आयोजन का संचालन प्रदेश अध्यक्ष द्वारा किया गया। बिनोद बडोदिया प्रदेश मुख्य सचिव ने सहयोग कर्ताओं को रसीदे उपलब्ध कराई। इस तरह आयोजन सम्पन्न हुआ।

संस्थापक

एक जून भोपाल विलिनीकरण दिवस आजादी के छः सौ उनसठ दिन बाद एक जून को भोपाल में फहराया तिरंगा झंडा

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया था, लेकिन आजादी मिलने के 659 दिन बाद 1 जून 1949 को भोपाल में तिरंगा झंडा फहराया गया। भोपाल रियासत के भारत गणराज्य में विलय में लगभग दो साल का समय इसलिए लगा । आजादी मिलने के इतने समय बाद भी, भोपाल रियासत का विलय न होने से जनता में भारी आक्रोश था। यह आक्रोश विलीनीकरण आन्दोलन में परिवर्तित हो गया। भोपाल रियासत के भारत संघ में विलय के लिए चल रहे विलीनीकरण आन्दोलन की शुरुआत सीहोर के इछावर से हुई थी। विलीनीकरण अन्दोलन का विस्तार हुआ और अन्दोलन की गतिविधियों का दूसरा बड़ा केन्द्र रायसेन बना। इस आंदोलन को चलाने के लिए जनवरी 1948 में प्रजामंडल की स्थापना की गई। मास्टर लाल सिंह ठाकुर, उद्धवदास मेहता, पंडित शंकर दयाल शर्मा, बालमुकन्द, जमना प्रसाद, रतन कुमार, पंडित चतुर नारायण मालवीय, खान शाकिर अली खां, मौलाना तरजी मशरिकी, कुद्दूसी सेवाई, इस आन्दोलन के प्रमुख नेता थे। विलीनीकरण की पहली आमसभा इछावर के पुरानी तहसील स्थित चौक

मैदान में ही हुई थी। इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए किसान नामक समाचार पत्र भी निकाला था। 14 जनवरी 1949 को रायसेन जिले के उदयपुरा तहसील के ग्राम बोरास के नर्मदा तट पर विलीनीकरण आन्दोलन को लेकर विशाल सभा चल रही थी। इसमें सीहोर, रायसेन और होशांगाबाद से लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। सभा के दौरान तिरंगा झण्डा फहराया जाना था। इस आंदोलन का संचालन करने वाले सभी बड़े नेताओं को पहले ही बन्दी बना लिया था। तिरंगा झण्डा हाथ में लेकर बढ़ रहे युवाओं पर पुलिस ने गोलियां चलाई। इस गोलीकांण्ड में 4 युवा शहीद हो गए । इसमें 25 वर्षीय धनसिंह, 30 वर्षीय मंगलसिंह, 25 विशाल सिंह, तथा किशोर छोटे लाल की उम्र महज 16 साल थी। इनकी उम्र को देखकर उस वक्त युवाओं में देशभक्ति के जज्बे का अनुमान लगाया जा सकता है।

भोपाल विलिनीकरण आंदोलन के इन शहीदों की स्मृति में रायसेन जिले के उदयपुरा तहसील के ग्राम बोरास में नर्मदा तट पर 14 जनवरी 1984 में स्मारक बनाया गया है। नर्मदा के साथ-साथ बोरास का यह शहीद स्मारक भी उतना ही पावन और श्रद्धा का केन्द्र है। प्रतिवर्ष यहां 14 जनवरी को विशाल मेला आयोजित होता आ रहा है। बोरास के गोलीकांड की सूचना सरदार वल्लभ भाई पटेल को मिलते ही उन्होंने श्री बीपी मेनन को भोपाल भेजा था। भोपाल रियासत का 1 जून 1949 को भारत गणराज्य में विलय हो गया और भारत की आजादी के 659 दिन बाद भोपाल में तिरंगा झंडा फहराया गया।

धर्म कांटा पर तमंचे की नोक पर लूट, विरोध करने पर व्यापारी के घर जाकर की फायरिंग

संभागीय संवाददाता - राजू राय

शहडोल के अमलाई क्षेत्र में दो बदमाशों ने तमंचे की नोक पर धर्म कांटा से 4 हजार की लूट की। विरोध पर व्यापारी के घर जाकर हवाई फायरिंग भी की। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत महाकाल धर्म कांटा बटुरा में दो बदमाशों ने तमंचे की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी काउंटर से 4 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। वारदात के बाद जब एक व्यापारी ने विरोध किया, तो आरोपी उसके घर पहुंचकर हवाई फायरिंग करने लगे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर समाज सेवा संस्थान द्वारा वृक्षारोपण किया गया

पत्रकार मो. सअद खान शाहगंज। मध्य प्रदेश समाजसेवा संस्था द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम ग्वाडीया और रमपुरा में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया । एवं जिसमें उपस्थित आशा दीदी उमीता राजपूत राजकुमारी इवनै आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सकुनतला राजपूत ज्योति इवनै सरपंच रैखा राजपूत ब्लाक लीड अंकित गोलिया एवं ग्राम की महिलाएं और पुरुष उपस्थित हुए एवं इसी के साथ ग्राम में जागरूकता रैली भी निकाली गई।

शहडोल रेलवे स्टेशन पर ऑपेरशन नारकोस के तहत गाँजा जब्त, चार आरोपी गिरफ्तार

संभागीय संवाददाता -राजू राय

शहडोल। भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपेरशन नारकोस के तहत शहडोल रेलवे स्टेशन पर एक सफल अभियान चलाते हुए 10.090 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपियों के पास से बरामद मादक पदार्थ की कुल बाजार मूल्य दो लाख से अधिक है।यह कार्रवाई आरपीएफ थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार तिवारी के नेतृत्व में की गई थी। इस अभियान के तहत आरपीएफ शहडोल के उप निरीक्षक आर.के. मीना और उनकी टीम ने रात के समय प्लेटफार्म नंबर-2/3 पर एक संदेहास्पद समूह को देखा। आरपीएफ की टीम ने संदेह के आधार पर चार व्यक्तियों की तलाशी ली, जिनके पास भूरे रंग के थैले से लिपटे पांच पैकेट्स में गांजा भरा हुआ था। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई है। जिसमे शैलेन्द्र पटेल, पिता रामलखन पटेल, उम्र-32 वर्ष, निवासी बाबूपुर, वार्ड नंबर-10, थाना रामनगर, जिला-मैहर,दुसरा राजा पटेल, पिता वाल्मीक पटेल, उम्र-32 वर्ष, निवासी गोंदहा, थाना रामनगर, जिला-मैहर एवम अजय कुमार पटेल, पिता हीरालाल पटेल, उम्र-23 वर्ष, निवासी इटमा

कोठार, थाना अमरपाटन, जिला-मैहर, तथा कोदू लाल यादव, पिता रामप्रवाह, उम्र-20 वर्ष, निवासी बतैया, थाना रामनगर, जिला-मैहर शामिल है। आरपीएफ द्वारा की गई इस कार्रवाई में सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उप निरीक्षक आर.के. मीना ने बताया, हमने सभी नियमों का पालन करते हुए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की। यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी तरह की गलतफहमी न हो।गांजे को मौके पर जब्त किया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपियों और बरामद किए गए मादक पदार्थ को जीआरपी शहडोल को सौंप दिया गया। जीआरपी ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक-55/2025 के तहत मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर समस्या है, जो समाज के हर वर्ग को प्रभावित करती है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हम लगातार ऐसे ऑपरेशन चला रहे हैं ताकि रेलवे स्टेशनों को सुरक्षित बनाया जा सके और मादक पदार्थों के तस्करों पर नकेल कसी जा सके। पकड़े गए आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।आरपीएफ थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने बताया की आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ,कि आरोपी गांजा कहां से लेकर आए थे और कहां लेकर जा रहे थे, अभी इस मामले में पूछताछ जारी है।

श्रीराम का चित्र व जय श्रीराम लिखे हुए इंजन भारतीय रेलवे ने नहीं बनाये एआई निर्मित हैं,फोटो सोशल मीडिया पर खूब हो रहा शेयर

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर हो रही है, जिसमें एक ट्रेन भगवा रंग में रंगी हुई दिखाई दे रही है। ट्रेन के इंजन पर भगवान श्रीराम की तस्वीर और जय श्रीराम लिखा हुआ नजर आ रहा है। जिसे यूजर्स भ्रामक दावे के साथ शेयर कर रहे हैं।दावा किया जा रहा हैं कि यह वंदे भारत ट्रेन है। सूत्रों से पता चला है की फोटो की जांच में वायरल दावा फर्जी साबित हुआ। पड़ताल में सामने आया कि वायरल तस्वीर एआई जनरेटेड है, जिसे यूजर्स भ्रामक दावे के साथ शेयर कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने वायरल तस्वीर को शेयर करते हुए 29 मई को दावा किया, वंदे भारत ट्रेन पर लिखा गया जय श्री राम वहीं, एक अन्य यूजर ने 29 मई को ही समान दावे के साथ वायरल तस्वीर को शेयर किया। वायरल दावे की सच्चाई जानने के लिए तस्वीर को ध्यान से देखा गया। जांच में तस्वीर पर The real Pilot लिखा नजर आया। इसे आधार बनाकर जब

सर्च किया तोthe_rail_pilot नाम का एक इंस्टाग्राम अकाउंट मिला। इस अकाउंट पर वही वायरल तस्वीर 26 मई 2025 को पोस्ट की गई थी। खास बात यह है कि पोस्ट के कैप्शन में स्पष्ट तौर पर बताया गया है कि यह तस्वीर,ढ्ढ जनरेटेड है। जांच को आगे बढ़ाते हुएthe_rail_pilot नाम के इंस्टाग्राम पेज को ध्यान से देखा। वहां न सिर्फ वायरल तस्वीर मिली, बल्कि और भी कई एआई से बनी ट्रेन की तस्वीरें दिखीं। इनमें विराट कोहली, धोनी, रजनीकांत और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की फोटो लगी ट्रेनें शामिल थीं। इससे साफ हो गया कि वायरल तस्वीर भी एआई से बनाई गई है, जिसे लोग असली समझकर गलत दावे के साथ शेयर कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पेज से मिले क्लू के आधार पर वायरल तस्वीर की सच्चाई जानने के लिए टूल की मदद ली। रिपोर्ट के अनुसार, यह तस्वीर 67% तक AI- निर्मित है।वहीं, वायरल तस्वीर का सच जानने के लिए एक अन्य एआई डिटेक्टर टूल की सहायता ली, उस टूल के अनुसार भी वायरल तस्वीर AI निर्मित है। पड़ताल में सामने आया कि वायरल तस्वीर एआई जनरेटेड है, जिसे यूजर्स भ्रामक दावे के साथ शेयर कर रहे हैं।

नशे की आदत लगना आसान,उससे छुटकारा पाना बेहद कठिन, समन्वय भवन भोपाल में आयोजित हुआ एंटी-टोबैको कॉन्क्लेव

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा एंटी टोबैको कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। समन्वय भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को तंबाकू से होने वाले गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. पूजा त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाए गए इस मिशन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया। यह प्रदेश में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य सेवा के योद्धाओं को सम्मानित कर एक प्रेरणादायक संदेश दिया गया। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने समाज को एक स्पष्ट संदेश दिया कि नशे की आदत लगना आसान है, लेकिन उससे छुटकारा पाना बेहद कठिन। जागरूकता और सतत प्रयासों की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा एक दिन में 42,000 लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई है। उन्होंने शपथ को सामाजिक परिवर्तन की चिंगारी बताया और कहा कि अब हर एक को 1000 और लोगों तक यह संकल्प पहुँचाना होगा। राजेंद्र शुक्ल ने चेताया कि अगर आने वाली पीढ़ी नशे की गिरफ्त में चली गई, तो 2047 तक भारत को विश्व की आर्थिक शक्ति

बनाने का सपना अधूरा रह जाएगा। ऐसे में इस अभिमान को सफल बनाने में सबकी सहभागिता आवश्यक है।कार्यक्रम में डेनासिया ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन पी.के. त्रिपाठी ने कहा कि नशा समाज ही नहीं देश की एक जटिल समस्या है, जिससे निपटने के लिए नशा मुक्ति के अभियान में सबको एक साथ मिलकर आगे आना होगा। ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. पूजा त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेशवासियों को तंबाकू की लत से मुक्त करना और उन्हें इसके दुष्परिणामों जैसे मुख कैंसर के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 12 मई से निरन्तर अभियान चलाकर लोगों को शपथ दिलाई गई। साथ ही तंबाकू से होने वाले नुकसान को लेकर भी जागरूक किया गया। यह तंबाकू निषेध संकल्प कार्यक्रम केवल एक औपचारिकता नहीं था, बल्कि यह एक जन आंदोलन है जो लोगों को तंबाकू जैसे जानलेवा व्यसन से दूर करने का संदेश देता है।

नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज एक बड़ी जन स्वास्थ्य समस्या,स्वस्थ यकृत मिशन अंतर्गत रोगियों की स्क्रीनिंग प्रारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग के लिए चलाये जा रहे स्वस्थ लीवर मिशन में 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्क्रीनिंग जा रही है। स्क्रीनिंग में ऊंचाई, वजन, कमर के माप की गणना की जा रही है। फैटी लीवर के संभावित संदिग्ध श्रेणी के मरीजों की जानकारी संधारित की जा रही है। संभावित संदिग्ध लोगों में चिकित्सकीय सलाह पर अन्य जांचों के माध्यम से फैटी लीवर होने की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। ये अभियान लीवर संबंधी बीमारियों की जागरुकता, प्रारंभिक पहचान, उपचार और रोकथाम के लिए चलाया जा रहा है। मिशन के तहत प्रारम्भिक स्क्रीनिंग में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा बीएमआई,सीबैक स्कोर एवं कमर का माप लिया जा रहा है। बीएमआई 23 से अधिक होने, महिलाओं में कमर का माप 80 सेमी और पुरुषों में 90 सेमी से अधिक होने पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच के लिए रेफरल किया जा रहा है। संदिग्ध मामलों की जांच के साथ साथ लीवर को स्वस्थ रखने के लिए घर में उपलब्ध पौष्टिक आहार के सेवन, शराब एवं धूम्रपान से दूर रहने का परामर्श दिया जा रहा है। नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या बनकर उभर रही है जो कि मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसे बीमारियों से संबंधित है एवं समय पर पहचान कर प्रबंधन और जोखिम कारकों को कम किया जा सकता है ।

मंडला वाले गुरु जी की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि, कन्या भोज और भंडारे का आयोजन।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी रायसेन। मंडला वाले गुरु जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज एक श्रद्धांजलि सभा एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन द्वारा किया गया, जिसमें रायसेन जिले के अध्यक्ष कमलेश बघेल, जिला सचिव हाकम सिंह (शिक्षक), अजब सिंह, अशोक कुमार (रम्पुरा), सरपंच अजब सिंह, तथा डॉ. अमन सिंह सहित अनेक गणमान्य अनुयायी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण एवं माल्यार्पण से की गई। इसके बाद गुरु जी के जीवन दर्शन और उनकी विचारधारा पर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार साझा किए। सभी ने गुरु जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में कन्या भोज और भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें रायसेन, होशंगाबाद एवं नरसिंहपुर जिलों से आए हुए गुरु जी के अनुयायियों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भजन-कीर्तन के मधुर सुरों ने वातावरण को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु जी के दिखाए मार्ग पर चलने और सामाजिक समरसता, समानता एवं धर्म के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का कहना था कि मंडला वाले गुरु जी ने जीवनभर समाज में समता, न्याय और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दिया, और आज की पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली का आयोजन

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। 05 जून 2025 को शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम के एलएलबी प्रथम व दितीय वर्ष के छात्रों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया ।इसी परिपेक्ष में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कल्पना भारद्वाज की निर्देशन में किया गया ।महाविद्यालय में World Environment day के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। ये कार्यक्रम ह्स्स् प्रभारी श्री शिवाकांत मौर्य के निर्देशन में आयोजित किया गया। महाविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता कार्यक्रम में एलएलबी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विभिन्न विद्यार्थियों के द्वारा उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर पर्यावरण की स्वच्छता में सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी श्री सेवाकांत मौर्य के द्वारा स्वच्छ पर्यावरण के महत्व पर छात्रों को व्याख्यान भी दिया गया। डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा विश्व पर्यावरण जागरूकता हेतु अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों के बारे में छात्रों को बताया गया। कार्यक्रम में डॉ. ओम शर्मा, ग्रंथपाल,डॉ. हरि प्रकाश मिश्र, क्रीड़ाधिकारी, श्री मनोज कुमार शर्मा, सहायक ग्रेड -3, लक्ष्मी कुलकर्णी, भृत्य, अजय उपस्थित रहे।

निरीक्षण कर खान प्रबंधक से की चर्चा

ज्ञान चन्द शर्मा /बालाघाट। विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का मंगलवार को मॉडल लिमिटेड की भरवेली खदान मे अल्पकालिक दौरा हुआ इस दौरान मॉडल के नव पदस्थापित खान प्रबंधक विवेक कुमार ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया तथा कंपनी की गतिविधियो और कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी शिष्टाचार भेंट के दौरान विधायक श्रीमती मुंजारे ने भरवेली खदान के संचालन खनन कार्यो की प्रकृति श्रमिको की स्थिति और पर्यावरणीय सरोकारो की जानकारी ली इसके साथ ही उन्होने यह भी अवगत कराया कि क्षेत्रीय जनहित मे मॉडल लिमिटेड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है विशेष रूप से कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के योजना के अंतर्गत विधायक ने चर्चा के दौरान यह सुझाव दिया कि कंपनी को अपनी सीएसआर नीति के तहत बालाघाट विधान सभा क्षेत्र मे शिक्षा स्वास्थ्य पेयजल सड़क रोजगार एव महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रो मे अधिकाधिक योगदान करना चाहिए इस अवसर पर बालाघाट नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष योगराज उर्फ कारो लिल्हारे आदि उपस्थित थे।

बालाघाट मे तीन दशक से नासूर बने नक्सलवाद की अब उखड़ने लगी जडे सीमावर्ती जंगलो मे पुलिस ने बिछाया मौत का जाल

नक्सलवादियो के लिए अब सुरक्षित नही रहे जिले के जंगल

ज्ञान चन्द शर्मा /बालाघाट। जिले मे तीन दशक से नासूर बने नक्सलवाद की जडे अब धीरे धीरे उखड़ने लगी है जंगल मे आऊट सोर्स मे फोर्स बढने के साथ ही नक्सली घिरने लगे है जिस जंगल को छग और महाराष्ट्र के नक्सली अपने लिए सुरक्षित ठिकाना मानकर इसे अपनी शरणस्थली बना बैठे थे अब उन्ही जंगलो मे नक्सली लगातार घिरकर पुलिस की गोलियो का निशाना बन रहे है बालाघाट मे जिस जंगल मे ग्रामीणों मे दहशत फैलाकर नक्सली अपना साम्राज्य स्थापित कर चुके थे अब उसी जंगल मे उनके लिए हर राह पर खतरा बढता जा रहा है बालाघाट के जंगल अब नक्सलियो के लिए सुरक्षित नही रहे है लिहाजा ग्रामीणो मे सुरक्षा के प्रति बढते भरोसे ने जंगलो मे खौफ फैला रहे लाल आतंक को कमजोर किया है जबकि लगातार नक्सल प्रभावित क्षेत्रो मे पुलिस की जंगलो मे पकड मजबूत हो रही है लगातार मारे जा रहे नक्सलियो पर पुलिस की गिरफ्त भी बढती जा रही है सितंबर 2023 मे चिचरंगपुर मे एक बडी सफलता हाथ लगने के बाद गिरफ्तार हुए नक्सलियो की संख्या28 पर पहुंच गई है जबकि 19 फरवरी 2025 को हुए एनकाउंटर के बाद अब तक करीब 37 नक्सली मारे जा चुके है ताकत बढाने विस्तार दलम का किया गठन साल 2016 मे नक्सलियो ने कवर्धा के कबीरधाम से विस्तार दलम का गठन कर अपनी ताकत बढाई थी बालाघाट मे फोर्स बढने के साथ नक्सलियो ने अपना रास्ताबदला और कान्हा के घने जंगलो को अपने लिए सुरक्षित ठिकाना बनाया यहा उनकी बढती मौजूदगी के बीच मंडला से डिंडौरी तक नया कॉरीडोर भी तैयार हो गया कम फोर्स का फायदा उठाकर नक्सलियो ने अपना सिर उठाना शुरु किया।

अपन पत्नी ला सिंदूर भेज के,
पति धरम निभाना चाही।
पर नारी, मां बहिनी होथे ,
सिंदूर नहीं भेजाना चाही।।
घर-गिरहस्ती,पत्नी छोंड़ेस,
अपन करतब ले तैं मुंह मोड़ेस।
मोर मांग के सिंदूर पोंछ के,
किस्मत ला तैं काबर फोड़ेस।।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

डॉली कांत, मल्हार बिलासपुर

मिल जाए रास्ते में अगर
ठहरे राहगीर मदद के लिए,,,!!

ठहर जाना उनके पास
वे लगाए हुए हैं तुमसे आश,,,,,,!!!

मदद करना पाने में उनकी मंजिल
कट जाएंगे रास्ते बातें करते हिल -मिल,,,!!

सोचना मन में उन्हे इंतजार था तुम्हारा
ना जान ना पहचान फिर भी मुलाकात हुआ हमारा,,,!!!

अगर मिले दोबारा कभी अचानक
मिलना ऐसे कोई खास रिश्ता हो हमारा,,,!!!

ये तो रास्ते ही हैं,,
जहां लोग मिल भी जाते हैं,,,
और पीछे छूट भी जाते हैं,,,,,!!!

जो मिल गया उसे,,
हमसफर बनाइए,,,!!
जो छूट गया उसे,,
फिर मुलाकात की आश दिलाइए,,,,!!!!

राहगीर मदद

बस्तर की सबसे महंगी सब्जी बोड़ा जंगल की गोद से थाली तक एक रोमांचक सफर

(दीप्ति बाजपेयी)

जगदलपुर-छत्तीसगढ़ का बस्तर, जहां प्रकृति हर कोने में मुस्कुराती है, वहां की मिट्टी, जंगल और संस्कृति अपने आप में अद्वितीय है। इसी बस्तर की धरती में उगती है एक अनमोल सब्जी बोड़ा जिसे स्थानीय लोग बड़े चाव से खाते हैं और जिसकी कीमत सुनकर कोई भी चौंक जाए। बोड़ा कोई आम सब्जी नहीं है। यह बस्तर के घने जंगलों में प्राकृतिक रूप से उगती है। यह कोई खेतों में नहीं बोई जाती, ना ही किसी वैज्ञानिक विधि से उपजाई जाती है। यह एक वन्य सब्जी है, जो बरसात की शुरुआत में जंगलों के भीतर,साल के वृक्षों के नीचे पत्तों और झाड़ियों के बीच चुपचाप सिर उठाती है। इसका आकार किसी कंचे की तरह गोल और छोटा होता है लेकिन स्वाद में अद्भुत होता हैं।

जंगल की दौलत- बोड़ा साल के कुछ ही महीनों के लिए मिलता है खासकर मानसून की शुरुआत में। यह दुर्लभता ही इसे इतना महंगा बनाती है। जब यह बाजार में आता है, तो इसकी कीमत 800 रुपये किलो से शुरू होकर कई बार 1000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है। सोचिए, एक ऐसी सब्जी जिसकी खेती नहीं होती, फिर भी यह इतनी महंगी क्यों है? इसका जवाब छुपा है इसकी खुशबू और स्वाद में। बोड़ा पकने के बाद एक विशेष तरह की खुशबू छोड़ता है मिट्टी की सौंधी महक, जिसमें जंगल की ताजगी और प्रकृति की गहराई बसती है। जब इसे सरसों के तेल में पकाया जाता है, तो इसका स्वाद ऐसा होता है कि हर कोई इस स्वादिष्ट सब्जी का लुफ्त उठाना चाहता है।

जीवन का हिस्सा, परंपरा की कहानी- बस्तर के आदिवासी समुदायों के लिए बोड़ा सिर्फ एक सब्जी नहीं है, यह एक परंपरा है, एक विरासत है। यह पीढ़ियों से उनके भोजन का हिस्सा रहा है। महिलाएं सुबह-सुबह टोकरी लेकर जंगलों की ओर निकलती हैं, कई किलोमीटर चलकर झाड़ियों और पत्तों के बीच से बोड़ा इकट्ठा करती हैं। यह काम आसान नहीं होता सांप, कीड़े, जंगल की दुर्गमता पर फिर भी हर साल ये महिलाएं अपने अनुभव और साहस के बल पर बोड़ा लाती हैं।

स्वाद की सीमा नहीं- बोड़ा को बस्तर में अलग-अलग तरीकों से पकाया जाता है कभी इसे आलू या चने के साथ मिलाकर बनाया जाता है, कभी इसका सादा झोल बनता है, तो कभी इसे सूखाकर साल भर के लिए रखा जाता है। कुछ लोग इसे छौंककर चटनी की तरह खाते हैं। इसका स्वाद इतना खास होता है कि जो एक बार खा ले, वह साल भर इसके आने का इंतज़ार करता है।

जंगल से बाजार तक- बस्तर की हाट-बाजारों में जब बोड़ा बिकता है, तो वहां भीड़ लग जाती है। महिलाएं टोकरी में इसे सजा कर लाती हैं, और ग्राहक बिना मोलभाव के इसे खरीदते हैं। यह सब्जी जितनी महंगी है, उतनी ही जल्दी बिक जाती है। शहरों में इसके चाहने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है, खासकर यहाँ आने

वाले पर्यटकों को भी बस्तर के व्यंजनों का स्वाद लुभा लेता है इस स्वाद को लोग कभी भूल नही पाते उन्हें फिर इंतजार रहता है कि मानसून आये और फिर इस लाजवाब सब्जी को चखा जाये । यह पूरी तरह जैविक है, बिना किसी रासायनिक खाद या कीटनाशक के। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, मिनरल्स और आयरन होता है। यह शरीर को गर्मी देता है और पाचन के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसकी उपलब्धता सीमित है, इसलिए हर साल इसके आने का लोग बेसब्री से इंतज़ार करते हैं।

बोड़ा - एक पहचान - बस्तर की पहचान सिर्फ उसकी संस्कृति, नृत्य या हस्तशिल्प तक सीमित नहीं है। बोड़ा जैसी दुर्लभ वन्य सब्जियां भी उसकी सांस्कृतिक और जैविक धरोहर का हिस्सा हैं। यह न सिर्फ बस्तर की महिलाओं के आत्मनिर्भर जीवन का प्रतीक है, बल्कि यह जंगल और इंसान के संबंधों की भी एक जीवंत मिसाल है। इसलिए अगली बार जब आप बस्तर जाएं, तो कोशिश करें कि आपको कहीं बोड़ा मिल जाए। तो इसे जरूर चखिए, इसकी खुशबू को महसूस कीजिए और सोचिए कैसे जंगल की गोद से निकली एक यह सब्जी, स्वाद और परंपरा का इतना अनमोल खजाना बन जाती है।

मध्यप्रदेश के ग्रामीण अंचलों में जर्जर शिक्षा : एक अनदेखी त्रासदी

लेखिका- कु.प्रियंका जाटव
(पीएचडी
शोधार्थी,सामाजिक कार्यकर्ता
विचारक व चिंतक)

भारत का हृदयस्थल..मध्यप्रदेश, हमारा म.प्र. अपनी विविध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। किंतु हमारे मध्यप्रदेश के ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की स्थिति आज एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। जब हम शिक्षा को समाज का मूल स्तंभ मानते हैं, तब भी मध्यप्रदेश के अनेक गाँवों में बच्चे आज भी बुनियादी शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित हैं।

प्रथमत: बात करें तो शिक्षा के लिए विद्यालय की अवस्थाएँ अत्यंत दयनीय हैं। कई ग्रामीण स्कूलों में भवनों का अभाव है, कक्षाएँ टूटी-फूटी हैं, और बैठने के लिए उचित व्यवस्था नहीं है। कभी-कभी बच्चे खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं।

उदाहरण के लिए, डिंडोरी ज़िले के कुछ आदिवासी गाँवों में ऐसे स्कूल हैं जिनकी दीवारें नहीं हैं, छत टपकती है और बच्चों को ज़मीन पर बैठकर पढ़ना पड़ता है, कुछ ऐसे ही हालात रायसेन जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के विद्यालयों के हैं...कहीं छते जर्जर तो कहीं बाउंड्रीवाल नहीं और कही छात्राओ के लिए अलग से शौचालय नहीं, कहीं पंखों की दरकार तो कहीं शिक्षक ही गायब हैं, कुछ विद्यालय तो ऐसे कि बारिश के दिनों में बंद हो जाते हैं, क्योंकि वहाँ बारिश का पानी लवालव भरा होता है! स्थानीय आम जनों व सरपंचों ने कई बार शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिक्षक की कमी और उनकी अनुपस्थिति भी एक बड़ा मुद्दा है। कुछ स्कूलों में एक शिक्षक सौ से अधिक बच्चों को पढ़ाने को विवश है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

एक और उदाहरण देखें छतरपुर ज़िले के एक ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में केवल एक शिक्षक कार्यरत हैं, जो पहली से पाँचवीं कक्षा तक के 120 बच्चों को पढ़ाने की कोशिश करता है। आप स्वत: अंदाजा लगा सकते हैं एक शिक्षक कैसे शिक्षा दे पाता होगा।

पन्ना ज़िले की 14 वर्षीय शिवानी एक जीवंत उदाहरण है। वह हर दिन 3 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाती थी, लेकिन स्कूल में शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था न होने के कारण उसे सातवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। आज वह खेतों में काम करती है, जबकि उसका सपना था कि वह नर्स बने। उसकी माँ कहती हैं, अगर स्कूल में ज़रूरी सुविधाएँ होतीं, तो मेरी बेटी आज पढ़ रही होती। आज शिवानी जैसी अनेक बालिकाएं स्कूल छोड़ने को मजबूर हैं। ऐसा ही एक और जीवंत उदाहरण हमें रायसेन जिले के ग्राम नाचनखेड़ी में भी देखने को मिला..वहां शिक्षा के हालात अत्यंत दुखद हैं, अधिकांश अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग की बालिकाएं दो शब्द ढंग से पढना तो दूर स्वंय के हस्ताक्षर भी नहीं कर पाती तथा जागरूकता के अभाव के चलते कम उम्र में बालिकाओ का विवाह तक कर दिया जाता है! जब ग्राम नाचनखेड़ी की बालिकाओ से चर्चा की गयी तो वह ढंग से दो शब्द बोलने में भी असहज महसूस कर रही थीं...उम्र में कम और हाथ में बच्चों को लादे हुए, उन्हें देखकर ऐसा लगा जैसे उनका बचपन वक्त से पहले ही छिन गया। कुछ ऐसे ही हालात नीमच जिले के एक ग्राम में मिले, इन सब के अलावा चाहे जिला सिंगरौली के हास्टलों की अव्यवस्थाऐं हो,जिला सिवनी व मंडला,विदिशा,शहडोल,उमरिया,अनूपपुर,झाबुआ आदि अनेक जिलों के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के स्कूलों के हालात अत्यंत दुखद और जर्जर हैं। सरकार ने कई योजना-आधारित प्रयास किए हैं, जैसे 'स्वच्छ भारत मिशन' और 'सर्व शिक्षा अभियान', लेकिन इनके क्रियान्वयन में गंभीर खामियाँ देखने को मिलती हैं। नतीजतन, ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे बड़े शहरों की तुलना में कहीं पिछड़ते चले जाते हैं।

चलिए एक नज़र मध्यप्रदेश के नवीन आंकड़ो पर डालते हैं-

- पढ़ाई की गुणवत्ता- 40त्न ग्रामीण किशोर(14-18 वर्ष) सरल अंग्रेज़ी वाक्य पढ़ने में असमर्थ हैं। 50त्न से अधिक छात्र बुनियादी गणितीय समस्याओ जैसे भाग,हल,महत्तम-लघुत्तम करने में कठिनाई महसूस करते हैं।
- 230 प्राथमिक विद्यालय बिना भवन/जर्जर भवन के संचालित हो रहे हैं, कई स्कूलों में छात्र पेड़ो के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं।
- 36000 विद्यालयों में बाउंड्रीवाल नहीं हैं जिससे छात्रों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता है !
- 5900 से अधिक कक्षा? खिडकियों को आज भी मरम्मत की दरकार है।
- 2200 से अधिक सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या 10 से भी कम है जिससे उनकी स्थिरता पर सवाल उठते हैं..ऐसे सरकारी विद्यालय बंद होने की कगार पर हैं।
- वर्ष 2024-25 में 5501 सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 में एक भी छात्र का नामांकन नही हुआ।
- 15-16 वर्ष आयु वर्ग में 14.3त्न बच्चे स्कूल से बाहर हैं, म.प्र. राज्य उच्चतम ड्रॉपआउट दरों में से एक है।
- वर्ष 2022-23 से वर्ष 2023-24 के बीच 3.37 लाख बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया था।
- वर्ष 2024 में केवल 58.9त्न स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय उपलब्ध हैं जो वर्ष 2018 में 56.5त्न था।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण अंचलों में 2024 में 16.1त्न लड़कियां स्कूलों में नामांकित नहीं हैं अत: राज्य में बालिका शिक्षा एक बड़ी चुनौती है।

आप आंकड़ो को देखकर आश्चर्यचकित अवश्य हुए होंगे...यही वास्तविकता है धरातल की। यह आंकड़े सरकारी रिपोर्टों, सर्वेक्षणों और अन्य अध्ययन जांच रिपोर्टों से लिये गये हैं। हमारे समाज को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य का आधार है। यदि आज हम ग्रामीण शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देंगे, तो आने वाले कल में हमारी सामाजिक और आर्थिक प्रगति अधूरी रह जाएगी।

इस चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है — सरकार, शिक्षक, अभिभावक और समाज को मिलकर काम करना होगा। स्कूलों की भौतिक संरचना में सुधार, शिक्षकों की नियुक्ति और प्रशिक्षण, तथा बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देना अनिवार्य है। मध्यप्रदेश के ग्रामीण अंचलों की शिक्षा में सुधार सिर्फ़ एक योजना नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन होना चाहिए। शायद तभी यह सपना साकार होगा कि हर बच्चा,चाहे वह किसी भी गाँव का हो,समान शिक्षा और अवसर पा सकेगा।

कब तक केवल कागजों पर नीतियां बनती और चलती रहेंगी...धरातल पर वास्तविक आकार कब लेंगी! यदि हम आज इस अनदेखी शिक्षा त्रासदी को मिलकर नहीं सुलझाते तो कल यह हमारे समाज की सबसे बढ़ी हार बन सकती है। जिस दिन गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का उजाला मध्यप्रदेश के हर गांव तक पहुंचेगा तब ग्रामीण अंचलों में लगेगा कि बाकई विकास हो रहा है, टूटी फूटी व जर्जर शिक्षा के साथ विकास भी अधूरा ही बना रहेगा ।

सिकल सेल रोग अनुसंधान के लिए चिकित्सक आगे आएं: राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों के द्वारा रोग उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे वनों में प्रचुर मात्रा में जड़ी-बूटियां उपलब्ध है। आवश्यकता शोध और अनुसंधान के द्वारा उनकी उनकी उपयोगिता के प्रमाणीकरण की है। राज्यपाल श्री पटेल गांधी मेडिकल कॉलेज में आयोजित सिकलसेल सेंसेटाइजेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन गांधी मेडिकल कॉलेज की एलुमिनाई द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भी मौजूद रहे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के उन्मूलन प्रयासों के लिए सबके साथ और सबके प्रयासों की एकजुट आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर सिकल सेल की जागरुकता में सक्रिय सहभागिता करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरुकता ही सबसे बड़ा टूल है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति सिकल सेल के लक्षणों, उपचार और संभावनाओं के प्रति स्वयं जागरूक हो। फिर जागरूकता दूत के रूप में अपने आस-पास, और समुदाय को जागरूक करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी को सिकल सेल एनीमिया से बचाने के लिए वर-वधू शादी के पूर्व सिकल सेल जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। गर्भावस्था में जरूरी जाँचे कराए। संतान के जन्म के 72 घंटे के भीतर उनकी सिकल सेल एनीमिया की जाँच अवश्य करें। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल से पीड़ित बच्चों एवं उनके परिजनों से आत्मीय मुलाक़ात की। उनकी कुशल क्षेम जानी। सभी को अच्छे ख़ान-पान, व्यायाम और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शहडोल से प्रारम्भ हुए सिकल सेल उन्मूलन मिशन- 2047 के तहत प्रदेश सरकार के प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिकल सेल जाँच की गहनता को बढ़ाने, प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रीनेटल टेस्टिंग के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। सांसद श्री आलोक शर्मा ने सिकल सेल उन्मूलन की प्रतिबद्धता के लिए केंद्रों एवं राज्य सरकार के सघन प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी और सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल का कार्यक्रम में पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। राज्यपाल श्री पटेल को सिकल सेल जागरूकता पर आधारित किताब और एच.पी.सी.एल. की डायग्नोस्टिक किट भेंट की गई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल को एलुमिनाई एसोसिएशन के प्रतिनिधियों द्वारा पौधे भेंट किए गए। उन्होंने इन पौधों को गांधी मेडिकल कॉलेज परिसर में रोपण के लिए दे दिया।

आईपीएल जीतने पर आरसीबी को मिले 20 करोड़ रूपये

पंजाब को साढे बारह करोड़

अहमदाबाद, एजेंसी। नई आईपीएल चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को ट्रॉफी के साथ ईनाम के तौर पर 20 करोड़ रूपये मिले जबकि उपविजेता पंजाब किंग्स की झोली में 12 करोड़ 50 लाख रूपये आये। आरसीबी ने पंजाब किंग्स को छह रन से हराकर पहली बार आईपीएल खिताब जीता।

तीसरे स्थान पर रही मुंबई इंडियंस को सात करोड़ रूपये और चौथे स्थान पर रही गुजरात टाइटंस को साढे छह करोड़ रूपये मिले। आईपीएल के पहले सत्र 2008 में विजेता टीम को चार करोड़ 80 लाख और उपविजेता को दो करोड़ 40 लाख रूपये मिले थे।

दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ को अरूण जेटली स्टेडियम के लिये सर्वश्रेष्ठ पिच और मैदान का पुरस्कार मिला। ईनाम के तौर पर उसे 50 लाख रूपये दिये गए। इस स्टेडियम में इस सत्र में सात मैच हुए। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, ''यह पुरस्कार हमारे क्यूरेटरों, स्टाफ और प्रबंधन के अथक परिश्रम की वजह से मिला है। हम आगे भी क्रिकेट के बुनियादी ढांचे का उच्चतम स्तर बनाये रखने के लिये काम करते रहेंगे।

पुरस्कार की सूची इस प्रकार है।

विजेता आरसीबी : 20 करोड़ रूपये
उपविजेता पंजाब किंग्स : 12 करोड़ 50 लाख रूपये
तीसरे स्थान पर रही मुंबई इंडियंस : सात करोड़ रूपये
चौथा स्थान गुजरात टाइटंस : साढे छह करोड़
आरेंज कैप विजेता(साइ सुदर्शन) : 10 लाख रूपये
परपल कैप विजेता (प्रसिद्ध कृष्णा) : 10 लाख रूपये
उदीयमान खिलाड़ी (साइ सुदर्शन) : 10 लाख रूपये
सबसे बेशकीमती खिलाड़ी (सूर्यकुमार यादव) : 15 लाख रूपये
सुपर स्ट्राइकर (वैभव सूर्यवंशी) : 10 लाख रूपये और एक टाटा कर्व कार
फैंटेसी किंग (साइ सुदर्शन) : 10 लाख रूपये
सर्वश्रेष्ठ कैच (कामिंडु मेंडिस) : 10 लाख रूपये
सर्वाधिक डॉट गेंद (मोहम्मद सिराज) : 10 लाख रूपये
सुपर सिक्सेस (निकोलस पूरन) : 10 लाख रूपये
सबसे ज्यादा चौके (साइ सुदर्शन) : 10 लाख रूपये
फेयरप्ले पुरस्कार (चेन्नई सुपर किंग्स) : 10 लाख रूपये
पिच और मैदान (डीडीसीए) : 50 लाख रूपये

आरसीबी और पंजाब के फाइनल में पुरस्कार विजेता :
प्लेयर आफ द मैच : कृणाल पंड्या, पांच लाख रूपये
सुपर स्ट्राइकर : जितेश शर्मा, एक लाख रूपये
सर्वाधिक डॉट गेंद : कृणाल पंड्या, एक लाख रूपये
सर्वाधिक चौके : प्रियांश आर्य, एक लाख रूपये
फैंटेसी किंग : शशांक सिंह, एक लाख रूपये
सर्वाधिक छक्के : शशांक सिंह, एक लाख रूपये।

हम सभी से ज्यादा विराट इसका हकदार है : पाटीदार

अहमदाबाद, एजेंसी। पिछले 18 साल की निराशा और दुख को पीछे छोड़कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने जब पहला आईपीएल खिताब जीता तो कप्तान रजत पाटीदार बोले बिना नहीं रह सके कि 'ई साला कप नामडू' (इस साल कप हमारा है) और उनके ऐसा कहते ही प्रशंसक खुशी से चीख उठे। लेकिन जब उन्होंने कहा, ''इसके सबसे ज्यादा हकदार विराट कोहली हैं तो शोर कई गुना बढ गया। पाटीदार ने कहा, ''मेरे लिये यह खास है, विराट कोहली और सभी प्रशंसकों के लिये। जिन्होंने इतने साल तक टीम का साथ दिया, वे सभी इसके हकदार हैं। मेरे लिये यह बड़ा मौका है और मैने बहुत कुछ सीखा है। इसके हकदार सबसे ज्यादा विराट कोहली हैं। कोहली ने पूरे टूर्नामेंट में पाटीदार की कप्तानी की तारीफ की और ड्रेसिंग रूम में जश्न के दौरान अपना बल्ला उनकी ओर बढाया, बदले में कप्तान ने सम्मान स्वरूप उस बल्ले को चूम लिया। कोहली ने कहा, ''रजत ने मोर्चे से अगुवाई की। उसका शांतचित्त रवैया, गेंदबाजी बदलाव सब कुछ शानदार था।'' उन्होंने पाटीदार के ड्रेसिंग रूम में पहुंचने पर कहा, ''हार्टब्रेक कॉर्नर, अब और नहीं। क्या शानदार बदलाव। किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर टीम में आने से लेकर आईपीएल विजेता कप्तान तक।'' इसी मैदान पर भारत नवंबर 2023 में आस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप फाइनल हारा था। कोहली ने आरसीबी कैमरामैन से कहा, ''बताना बहुत मुश्किल है। कल बेंगलुरू पहुंचकर ही अहसास होगा और हम शहर के साथ, अपने प्रशंसकों के साथ जश्न मनायेंगे जो अच्छे बुरे दौर में हमारे साथ

वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर इंग्लैंड ने किया वनडे श्रृंखला में सूपड़ा साफ

वनडे श्रृंखला

- **इंग्लैंड ने श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया**

लंदन, एजेंसी। आदील राशिद की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद जैमी स्मिथ की के वनडे करियर की पहली अर्धशतकीय पारी से इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के बारिश से प्रभावित आखिरी एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को सात विकेट से शिकस्त दी। इंग्लैंड ने इसके साथ ही इस श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया। दोनों टीमें अब शुक्रवार से तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भिंडेंगी।

स्मिथ ने 28 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में 10 चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन बनाने के साथ पहले विकेट के लिए बेन डकेट (58) के साथ 93 रन की साझेदारी की जिससे इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 ओवर में जीत के लिए मिले 246 रन के लक्ष्य को 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

मैच में दो बार देरी हुई। वेस्टइंडीज की टीम बस ट्रैफिक लाइट की खराबी के कारण काफी देर तक फंसी रही। टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच। इसके बार बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ।

यातायात की इस समस्या से निपटने के लिए इंग्लैंड के खिलाड़ी टीम बस को छोड़ किराये की साइकिल से स्टेडियम पहुंचे। नेट सत्र में वार्मअप के बिना मैदान पर उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने यहां गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में 28 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद मैच में बारिश ने खलल डाला।

मैच दोबारा शुरू हुआ तो वेस्टइंडीज ने 154 रन तक सात विकेट गंवा दिये। टीम हालांकि नौ विकेट पर 251 रन बनाने में सफल रही।

शेरफेन रदरफोर्ड ने 71 गेंदों पर 70 रन बनाकर टीम को 250 रन के पार पहुंचने में अहम योगदान दिया। गुडाकेश मोती और अल्जारी जोसेफ ने आठवें विकेट के लिए 11.2 ओवरों में 91 रनों की साझेदारी करके अपनी टीम को संघर्ष करने का मौका दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज की ओर से आठवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। जोसेफ 29 गेंदों पर 41 रन बनाकर और मोती 54 गेंदों पर 63 रन बनाकर आउट हुऐ। स्पिनर आदिल राशिद ने 40 रन देकर तीन विकेट लिये।

लक्ष्य का पीछा करते हुए स्मिथ और डकेट की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने आठवें ओवर में 100 रन पूरे कर लिये। टीम ने पावर प्ले (शुरुआती 10 ओवर) में एक विकेट पर 121 रन बना लिये थे। यह शुरुआती 10 ओवर में उसका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। जो रूट (44) और जोस बटलर (नाबाद 41) ने इसके बाद औपचारिकता पूरी करते हुए टीम को आसान जीत दिला दी।

अनुभवहीनता के कारण हमें थोड़ा नुकसान हुआ : पंजाब किंग्स के मुख्य कोच

युवा टीम भविष्य में बहुत कुछ जीतेगी: पोंटिंग

अहमदाबाद, एजेंसी। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने माना कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम को मध्यक्रम में अनुभव की कमी का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल कप्तानों में शामिल इस पूर्व बल्लेबाज ने हालांकि उम्मीद जताई कि टीम के युवा खिलाड़ी भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स का प्रभावशाली प्रदर्शन फाइनल में आरसीबी से छह रन की हार के साथ समाप्त हुआ। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल ट्रॉफी जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म किया।

जीत के लिए 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। शशांक सिंह (30 गेंदों में नाबाद 61 रन) ने आखिरी ओवरों में आक्रामक अर्धशतक जड़ा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला।

पोंटिंग ने मैच के बाद संवाददाता

सम्मेलन में कहा, ''आप आज रात टीम को महसूस सकते हैं कि शायद थोड़ी सी अनुभवहीनता के कारण हमें हार का सामना करना पड़ा। आज मध्यक्रम में थोड़ा सा अनुभव शायद हमारी मदद कर सकता था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि वे आगे चलकर हमारे लिए कई मैच जीतने जा रहे हैं।'' नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही लेकिन मैच के आगे बढ़ने के साथ यह धीमी होती चली गयी।

पोंटिंग ने हालांकि हार के लिए कोई 'बहाना' बनाने से इनकार कर दिया। उनसे जब दूसरी पारी में पिच के बदले मिजाज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। हम कोई बहाना नहीं बनाना चाहते हैं। शशांक ने मैच के बाद कहा कि यह पूरे सत्र की सबसे अच्छी विकेट (बल्लेबाजी के लिए बेहतर पिच) थी।'' उन्होंने कहा, ''हमने मैच के अहम चरण में लय गवां दी। हम पावरप्ले के आखिरी ओवरों में थोड़ा पिछड़ने लगे थे। हमने इसके बाद जरूरी मौकों पर अपने अहम विकेट गंवा दिये।''

पोंटिंग ने कहा कि उनकी टीम आरसीबी को 190 रन पर रोककर संतुष्ट थी। उन्होंने कहा, ''आरसीबी को भी लगा होगा कि उन्होंने थोड़े कम रन बनाये है। हम 190 के करीब के लक्ष्य का पीछा करने को लेकर खुश थे। हम हालांकि लक्ष्य का पीछा करते समय अच्छा नहीं खेल सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)